DEEBALI

WALLMAGAZINE

2022-2023(III)

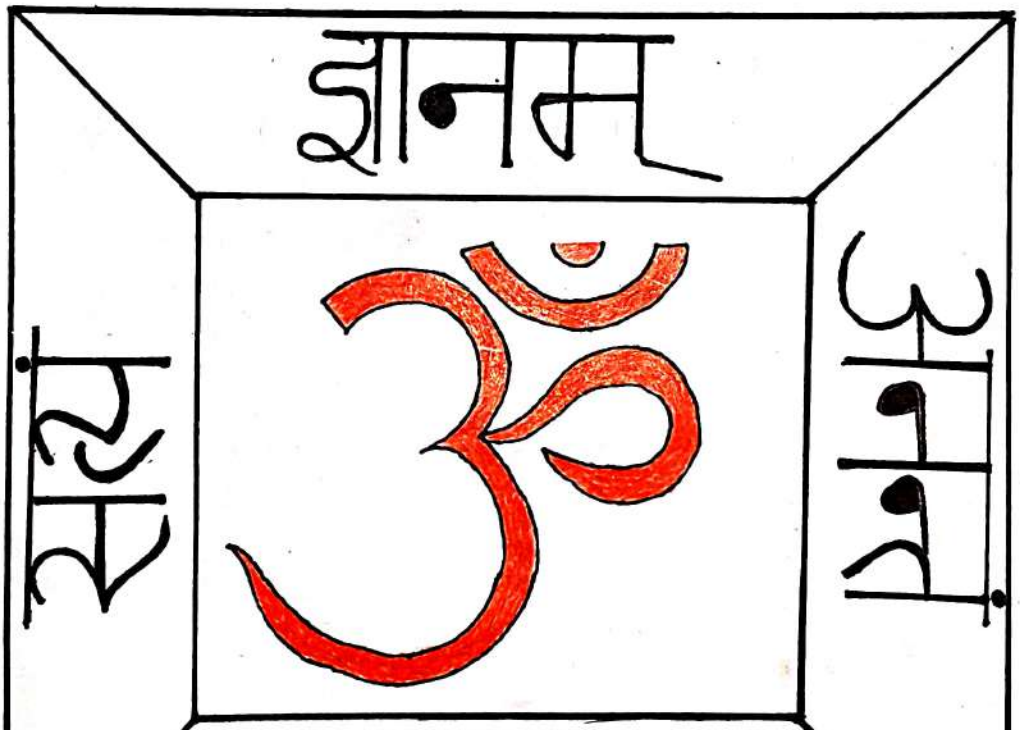

काश
के
फूल

संपादकीय

"काश के फूल"

" काश का फूल खिल रहा है,
हवा के झोंको से हिल रहा है,
देवी के आगमन का फिर से
संदेशा मिल रहा है "

फूल हम सभी को बहुत ही प्यारे लगते हैं जिन्हे देखकर ही मन प्रसन्न हो जाता है। ईश्वर ने हरयाली की छटा बिखेरते हुए पेड़ और पौधो के साथ - साथ एक सबसे सुन्दर और कोमल चीज बनाई हैं वो है 'फूल'।

वर्षा ऋतु के समापन एवं शरद ऋतु के आगमन के दौरान ऊंचे पहाड़ी इलाको, खेतो की मेढ़ो व नदियों के तट पर 'काश के फूल' लहराते नजर आते हैं, आसमान मे छाये सफेद काश के फूल इन दिनो देवी के आगमन का एहसास करा रही है। इन दिनों जहाँ भी नजर दौड़ाए लंबे - लंबे 'काश के फूल' मंद - मंद बहती हवाओ के साथ अठ-खेलियाँ करते मन को ऐसे प्रफुल्लित करते हैं, मानो पुरी प्रकृति देवी दुर्गा के स्वागत को आतुर हो रही हो। 'काश के फूल' "मन की कालिमा दूर करती हैं, शुद्धता लाती है, भय दूर कर शांति वार्ता वहन करती हैं"।

इस पत्रिका के माध्यम से छात्र एवं छात्राओं को अवगत कराना चाहते हैं कि जीवन चाहे जितना भी कठिन क्यो न हो लेकिन इन फूलों को देखते ही एक पल को सही और गम कम नजर आने लगता है। यह सफेद 'काश के फूल' शांति का प्रतिक होता है। इस 'काश के फूल' से हमें यह सिख मिलती है कि किस तरह हम भी बिना स्वार्थ के दूसरों की खुशियों में और वृद्धि कर सकते हैं।

अगला संस्करण

"झिन्नी - झिन्नी धूप"

काश के फूल
Parilata Kumari
Class - B.Ed
Roll.no - 86
Sec - 'B', 21-23

Name - Mamta Marandi (sec - c)
Roll - 171 (B.ed)(21-23)

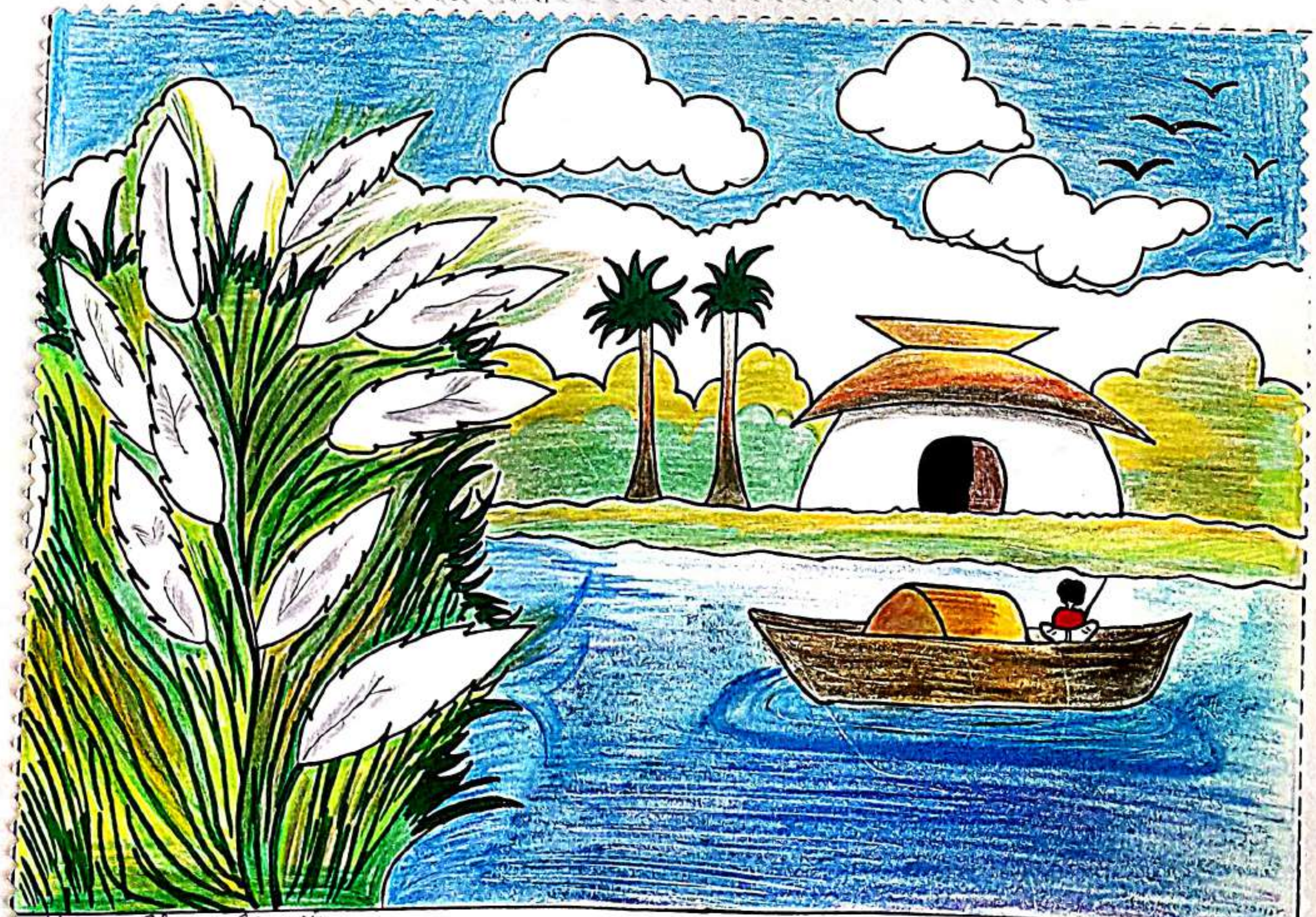

Name - Shreya Sourav.
D.El.Ed (2022-2024) Roll.no - 10.

"काश के फूल"

रास्ते के दोनों ओर लहलहाते सफेद
काश के फूलों को देखते ही मन जैसे
खिल सा उठा,
आज मन फिर से उस बचपन में जाने
को मचल उठा।
सफेद सफेद काश के फूल,
अपनी ख्वाहिशों की तरह,
सजाकर रखा था हमनें।
रुई से सफेद पूरे घर में बिखर गए।
तब मुझे कहां पता था कि ख्वाहिशें
बिखर जाती है,
काश के फूलों जैसे पंखुड़ी से।
बचपन से देखी हूँ काश के फूलों को
खिलते बिखरते नदी किनारे।
पर आज एहसास हुआ, मन में
खिलते ख्वाहिशों की बिखरन।
रेशे रेशे होकर बिखरे ख्वाहिशें,
और काश के फूल।
जिन्दगी की ख्वाहिशों में न जाने,
कितने काश शामिल हैं।
कुछ पूरे कुछ अधूरे कुछ खास....
रुई से सफेद, बादलों से हलके काश
के फूलों की तरह.....

NAME-ARPANA KUMARI, SESSION-2021-2023
B.ED-SEM-1, ROLL:NO-158'D'

काश का फूल

काश का फूल एक तरह की घास की प्रजाति है जो नदी किनारे जलीय भूमि, बलुई खुले इलाकों पहाड़ी एवं ग्रामीण दोनों में तीले रूपी हर स्थानों में देखे जाते है। लेकिन नदी किनारे या जलीय इलाकों में काश का फूल ज्यादा उगता है जो देखने में बहुत ही मनमोहक लगता है। काश के फूल का आयुर्वेद में काफी महत्व है। इस फूल का धार्मिक महत्व भी है। शारदीय नवरात्र के समय जब काश का फूल खिलता है तो यह देवी के आगमन का अहसास कराती है। वर्षा ऋतु के समापन एवं शरद ऋतु के आगमन के दौरान ऊंचे पहाड़ी इलाकों, खेतों की मेड़ों व नदियों के तट पर जब ये काश के फूल लहराते है तो ऐसा लगता है मानों आसमान बादलों सहित धरती पर आ गया हो जिसे देखकर लगता बस इस मनमोहक दृश्य को बस देखते ही रहे। ये काश के फूल बहुत ही मनमोहक और खूबसूरत होते है।

Name- Renuka Dutt Renu
class - D. El. Ed 1st year
Roll No - 05
Session - 2022-24

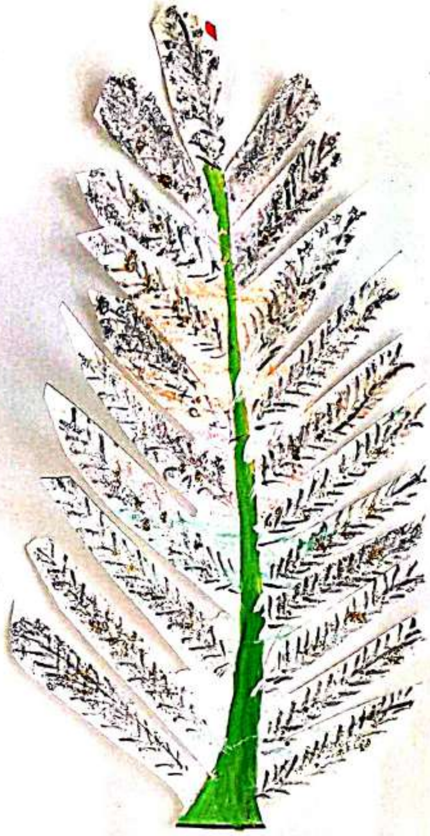

KASH FUll

Name - pushpa kumari
Roll n. - 07
D. El. Ed 1st year [2022 - 2024]

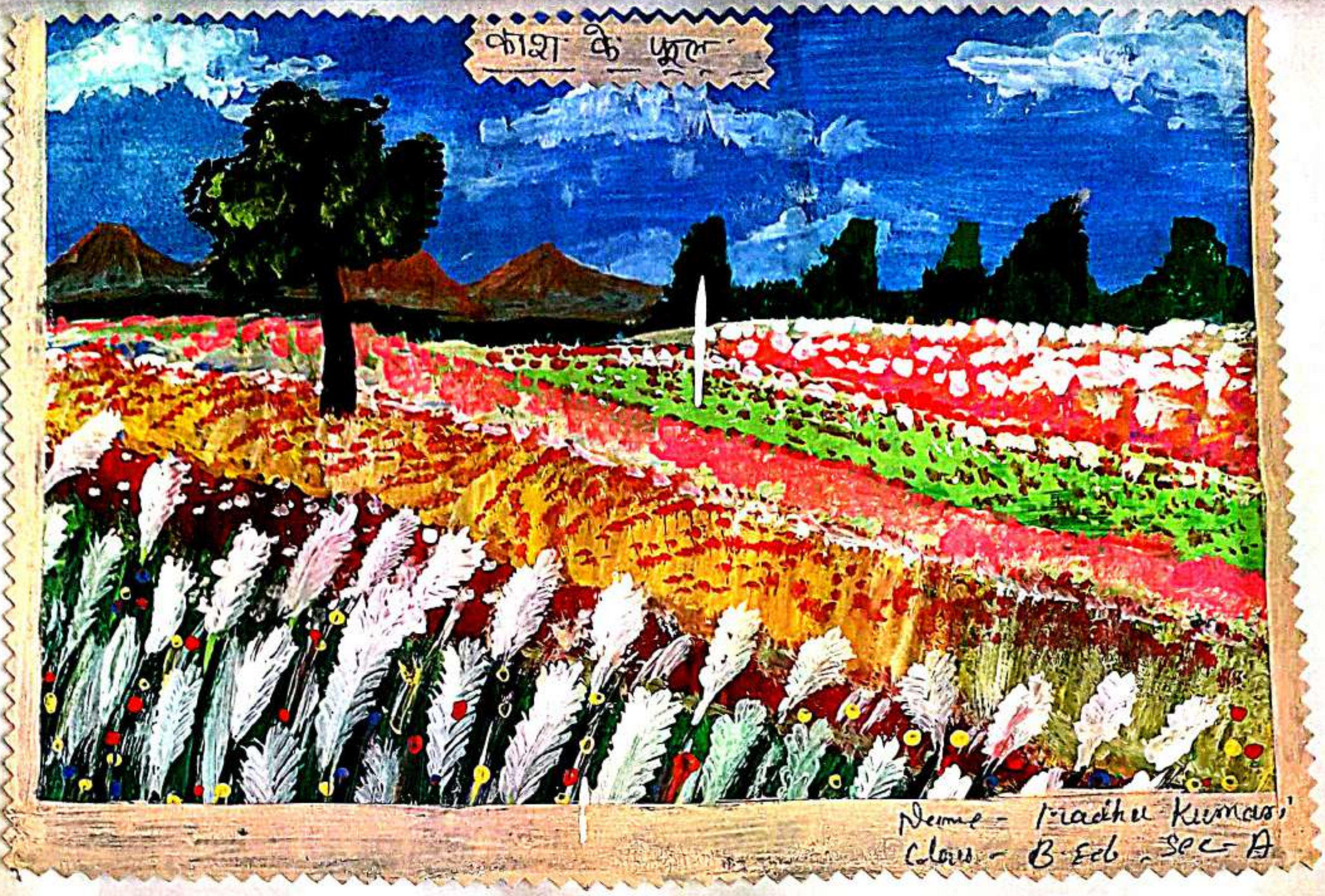

'काश के फूल' कविता

हमारे जलवायु में होता काश
बहुत ही उपयोगी होता घास ।
बात, पित्त को रखता समान
कितना करें इसका गुणगान ।
दो, ढाई फ़िट का होता यह
सफेद पुष्प इसकी पहचान ।
जुलाई, अगस्त मे आते फूल
इसके पितरों का तर्पण और दुर्गा पूजा भी अशुद्ध
संस्कृत में कासेक्षु, इक्षुरस अंग्रेजी में सच्चारुम।
अलग जगह मे अलग नाम से है
यह मशहूर ।

Name - Shikha Jha
Roll no.- 08
D.El.Ed (2022-24)

'काश' 'के' 'फूल'

आसमान में छाये सुफेद बादलों के साथ धरती पर चारों तरफ फैले सफेद काश के फूल इन दिनों देवी (शारदीय नवरात्र) के आगमन का एहसास करा रही हैं। इन दिनों जहाँ भी नजर दौड़ाए, लंबे-लंबे काश के फूल मंद-मंद बहती हवाओं के साथ अठखेलियां करते मन को ऐसे प्रफुल्लित करते हैं, मानों पूरी प्रकृति देवी दुर्गा के स्वागत को आतुर हो रही हो।
दरअसल, वर्षा ऋतु के समापन एवं शरद ऋतु के आगमन के दौरान ऊँचे पहाड़ी इलाकों, खेती की मेढ़ों व नदियों के तट पर काश के फूल लहराते नजर आते हैं। काश फूल एक तरह की घास की प्रजाति है।

आयुर्वेद में इसका कई रोगों में औषधीय महत्व है। शरद ऋतु के आगमन पर जब नीले आसमान में सफेद बादल अठखेलियाँ करते हैं, तब धरा में सफेद काश के फूल हौले-हौले हिलते हुए अपने अस्तित्व को बयाँ करते हुए ऐसे इतराते हैं, मानो धरती व आसमान सादगी से नहा उठा हो। इसीलिए तो महाकवि कालीदास अपने ऋतुसंहार महाकाव्य में शरद ऋतु के वर्णन में कहते हैं– शरद ऋतु का पदार्पण रमणीय नववधू के समान होता है। कवि ने काश के फूल को नववधु के वस्त्र परिधान के रूप में देखा है। कवि गुरु रवींद्रनाथ टैगोर अपने "शापमोचन" नृत्य नाट्य की रचना में काश के फूल के संबंध में कहते हैं –यह मन की कालिमा दूर करती है, शुद्धता लाती है, भय दूर कर शांति प्रदान करती है। शुभ कार्य में काश फूल के पत्ते और फूल का उपयोग किया जाता है।

'काश' फूल मन में 'सादगी' का
सिहरन जगाए, मन कहता है कितना
'सुंदर' 'प्रकृति'..., 'सृष्टिकर्ता' की अपार 'सृष्टि'
↳ 'काजी' 'नजरुल' 'इस्लाम'

NAME-SHREYA SOURAV
D.El.Ed (2022-2024)
ROLL.NO → 10

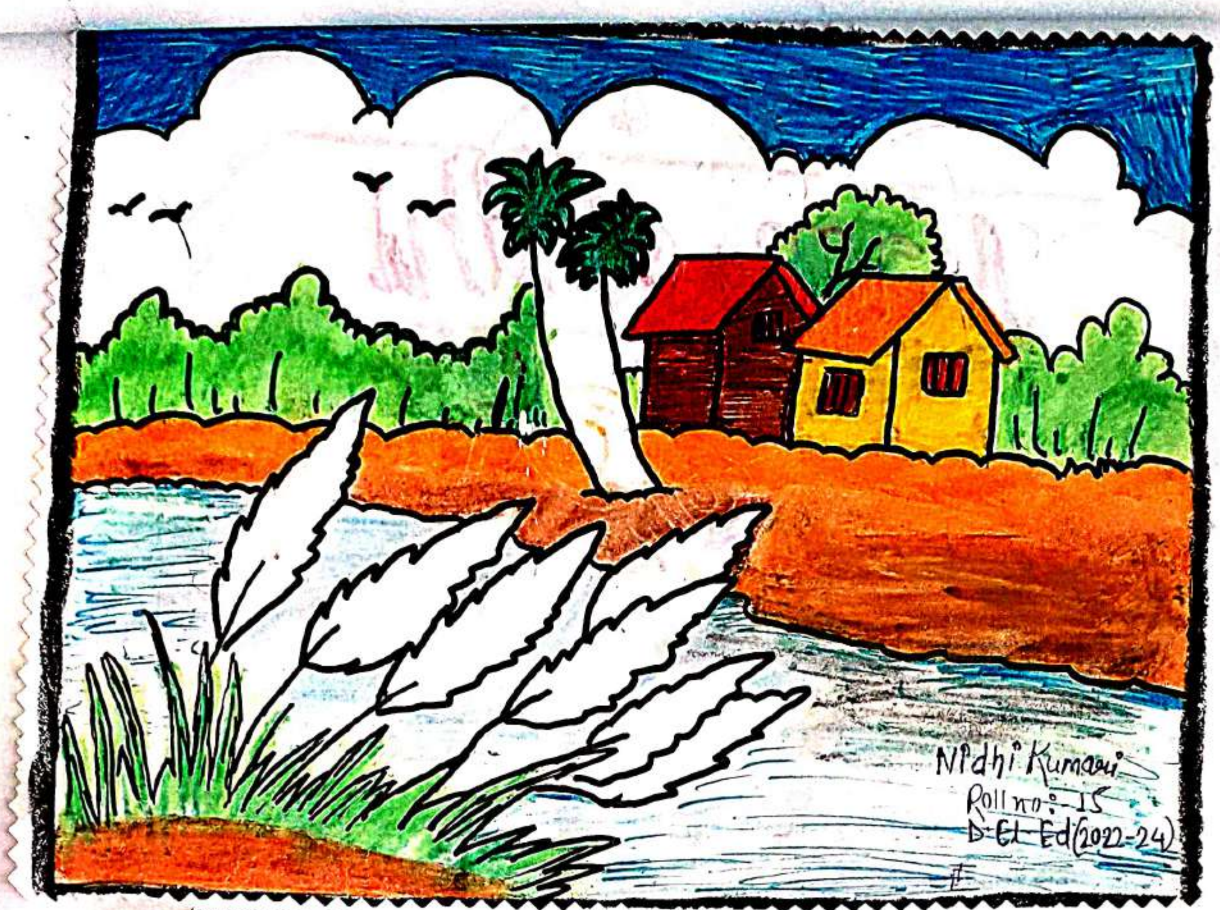

काशी बाहा

सेलमे बुरु कोचा नाला,
बाहावाकान् काशी बाहा।
सेल मे गाती तिनाक् जेगेत्,
लेगेत् लेगेत् धरती पेरेक्।

लेगेम आतुक् गाडा आड़ी,
आर हों मेनाक् दारी नाड़ी।
चालाक आलाङ टुंगाच आलान्,
लिबाय लोबोय बाहा आलान्।

By- MUNNI HANSDA
B.Ed, Sem- II (21-23)
Roll No → 14

काश का फूल

काश का फूल, काश का फूल
सबके मन को भाता फूल।

माँ दुर्गा के आगमन का
प्रतिक है ये काश का फूल।

नदियों के किनारे लहराता है फूल
रूई के जैसा सफेद इसका रूप।

आयुर्वेद में है इसका बड़ा नाम
काश का फूल रोगों को करता दूर।

शरद ऋतु के आगमन से
खिल उठा है आसमान

धरती पे अपनी अस्तित्व को
बया करता ये काश का फूल

काश का फूल, काश का फूल
सबके मन को भाता फूल।।

स्नेहा कुमारी
डी०एल०एड, क्रमांक-05।
सत्र-2022-24

काश के फूल

ये कौन महीना आया है
जो काश का फूल खिलाया है।

हमारी प्यारी भूमि को
बादलों सा सजाया है।

काश फूल की सफेदी ने
धरती को स्वर्ग बनाया है।

ये कौन महीना आया है
जो काश का फूल खिलाया है।

काश फूल का यह बेदाग रंग
हमको यह बात सीखाया है।

टूट गए तुम डाली से
पर दाग न को लगा पाया है।

ये कौन महीना आया है
जो काश का फूल खिलाया है।

झड़ गये ये फूल खिलकर
जाते जाते सिख लाया है।

बिखर जाते है, यह हर साल खिलकर
पर नये साल मे दुगनी बरकत ले आया है।-

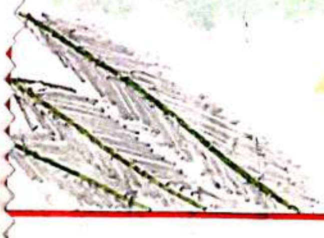

ये कौन महीना आया है
जो काश का फूल खिलाया है।

Name :- Lakshmi Jha
Sec - 'B' (B.Ed)
Roll - 38
Session - 2021-23.

काश के फूल

करूं लाख जतन, उग आते हैं, काश के वन।

ललचाए मन, अनचाहे से ये काश के वन।
विस्तृत घने, अपरिमित काश के वन,
पथ भटकाए, मन भरमाए, से दूर कहीं ले जाए।
"काश! ऐसा होता" मुझसे ही कहलाए,
कैसा है मन, क्यू उग आते हैं, काश के वन।

कब होता है सब वैसा, चाहे जैसा ये मन,
वश में नहीं होते, ये आकाश, ये घन,
मुड़ जाए कहीं, उड़ जाए कहीं, पड़ जाए कहीं।
सोचें कितना कुछ, हो जाता है कुछ,
उग आते हैं मन में, फिर ये, काश के वन।

बदली है कहाँ, लकीरें इन हाथों की यहाँ,
अपनी ही साँसे, कोई गिनता है कहाँ,
विधि का लेखा, है किसने देखा, किसने जाना।
साँसो की लय का, अपना ही ताना,
संशय में, उग आते हैं बस, काश के वन।

काश! दिग्भ्रमित न करते, ये काश के वन,
दिग्दर्शक बन उगते, ये काश के वन,
होता फिर बिल्कुल वैसा, कहता जैसा ये मन।
न पछताते, न हाथों को मलते हम,
न आते, न ही भटकाते, ये काश के वन।

करूं लाख जतन, उग आते हैं, काश के वन।

— Payal Priya
— D.El.Ed 2022-2024
— Roll no. - 17

Kaash ke Phool

Ah- Kaash !!

The presence of kash Grass, Kaash Flower (in Bengali) feels heavenly, not only because it is so lovely, white against green, but it is also a happy reminder that the festive Season 'Durga Puja' is about to begin!

Kaash Flower brings with it a change in the whether, it starts getting a little pleasant after the monsoon rains.

Ealiar, with So many open fields one could have a glimpse of kaash Flower anywhere, now it is getting very difficult to see.

This is the season 'Durga Puja' when Kaash bloosoms, the graceful long stems with feathery flowers swaying gently in the breeze under a cobalt blue sky.

Name :- AKANKSHA KUMARI
B. Ed Sem I
Roll No:- 13
Sec :- 'A'

Name – Mamta Marandi , Roll – 171.
Class – B.Ed (21-23)

काश के फूल
Name - Madhu Kumari
Class - B.Ed, Sec - A

Name→Nidhi Kumari
Roll- '130'
Section- 'D' B.Ed

KASH KA PHOOL
ROLL NO-125
NAME-JULI HEMBROM
CLASS- B.Ed SEM-I

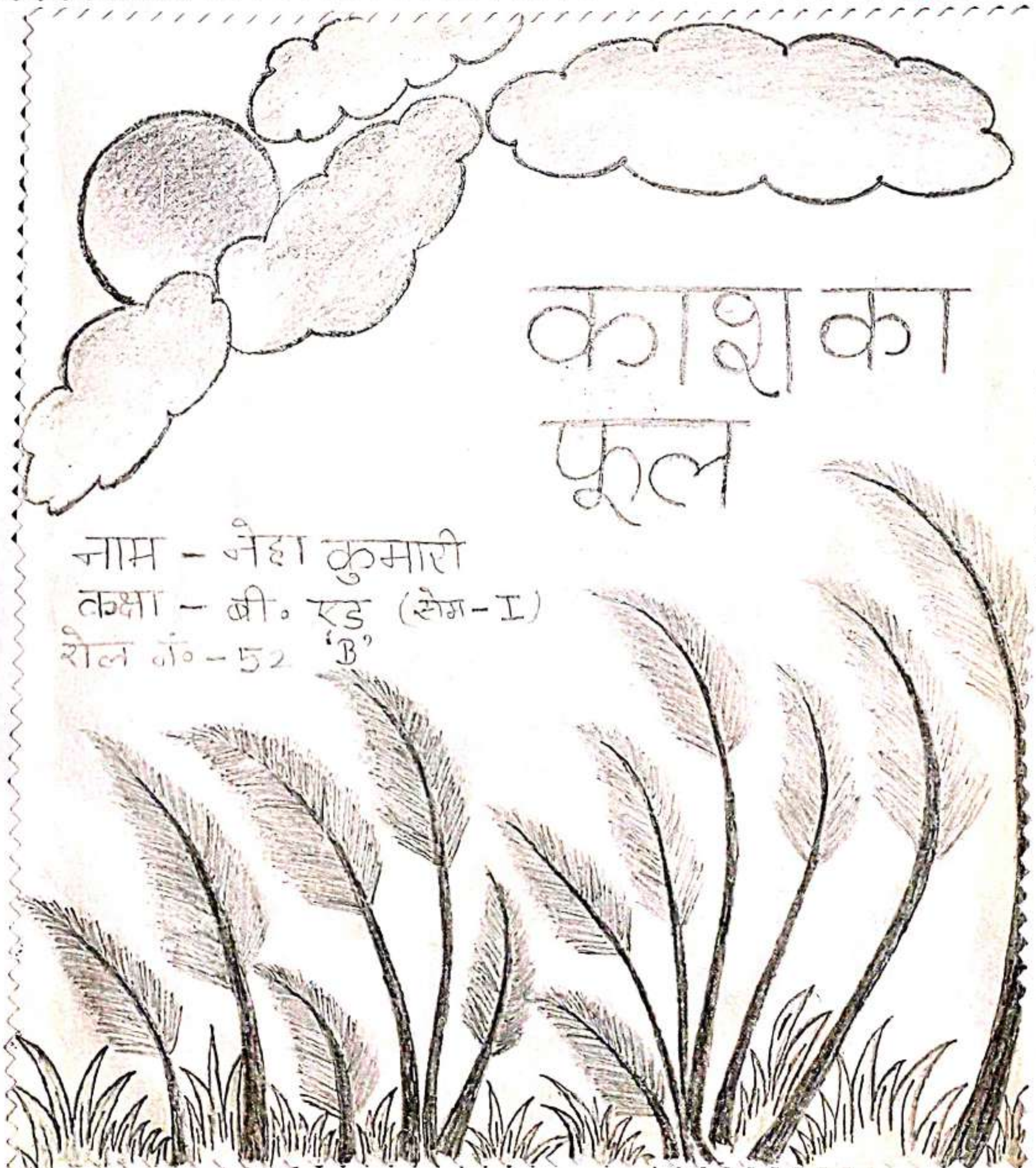
काश का फूल
नाम - नेहा कुमारी
कक्षा - बी॰ एड (सेम-I)
रोल नं॰ - 52 'B'

काश के फूल

चारो ओर उत्सव है छाया,
संग अपने दुर्गा पूजा का त्यौहार लाया।

अश्विन मास शुक्ल पक्ष है आया,
सबके जीवन में खुशियाँ है लाया।

इस पावन अवसर पर,
सबका मन हर्षाया।

माँ दुर्गा के सोलह श्रृंगार कर,
काश के फूल से है सजाया।

घर को साफ सुथरा बनाया
काश पुष्प मालाओं से खूब सजाया।

इस तरह हम सभी ने मिलकर,
दुर्गा पूजा का त्यौहार मनाया।

Name :- Puja Kumari
Section :- 'B' (B.Ed)
Session - 2021-23
Roll no :- 06

" काश के फूल "

Roll no - 95 Raaziah Sultana
Sec 'A'

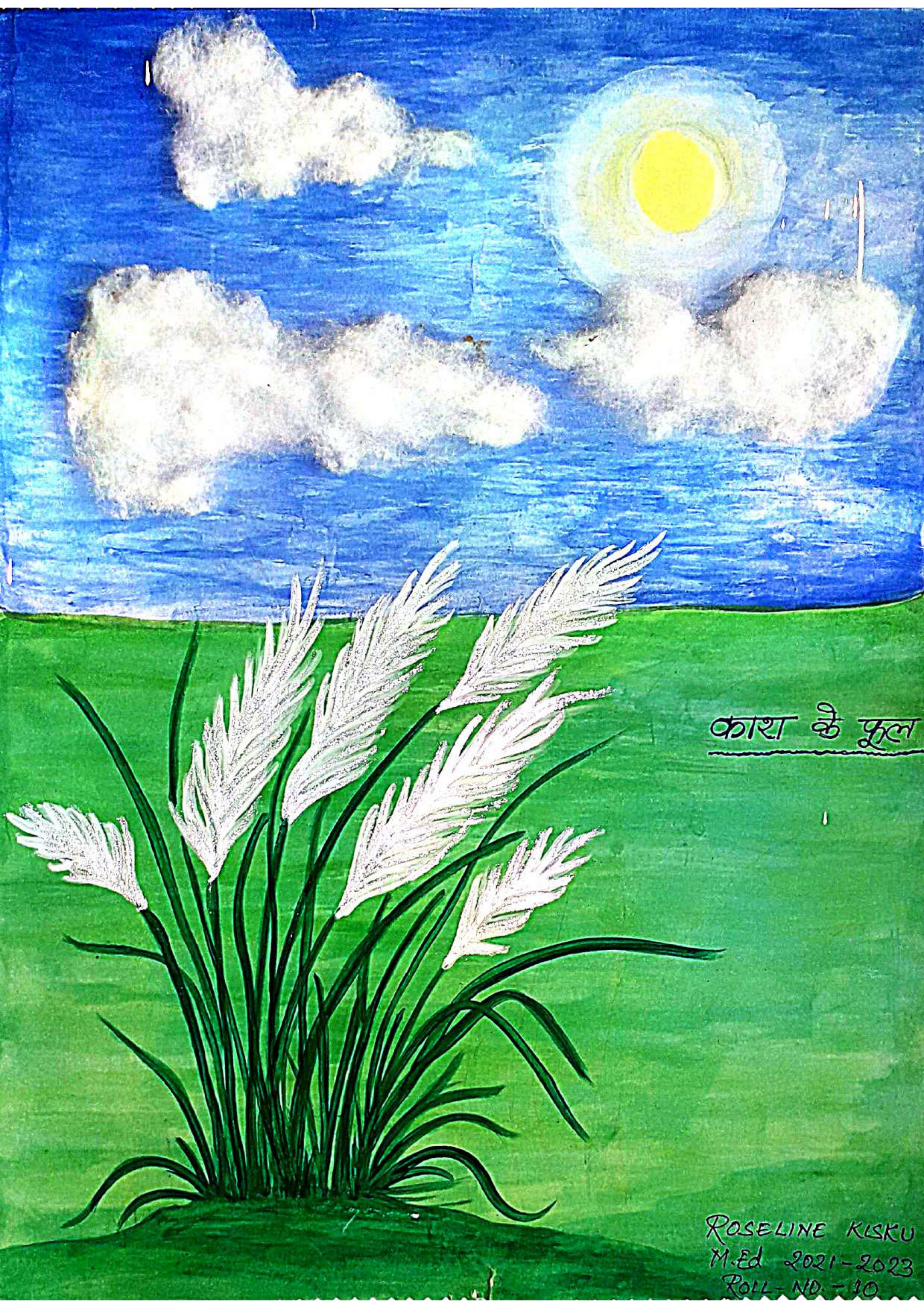
कास के फूल
ROSELINE KISKU
M.Ed 2021-2023
ROLL-NO.-10

काश के फूल
Name - Prity Marandi
CLass- B.Ed
Sec- B
Roll no - 98